DELHI POLICE 2025
CONSTABLE HCM AWO/TPO DRIVER
यकीन बैच
HISTORY
महाजनपद
LIVE
28-04-2025 12:05 PM

वैदिक सभ्यता के पतन का कारण

Reason of Decline of vedic Civilization.

① जलवायु परिवर्तन (Climate change)
② व्यापार में कमी। (Decline in Trade)
③ सामाजिक अस्थिरता (Social instability)
④ बाहरी आक्रमण (External Aggression)
⑤ नदियों का सूखना (Drying of rivers)

⇒ मापतौल 16 के गुणक में थी
Measurement wait were Multiple in 16.

उत्तर वैदिक काल

→ मुख्य देवता (Main God) → प्रजापति

→ गोत्र शब्द की शुरुआत इसी समय हुई।

→ जाति व्यवस्था (caste system) → जन्म आधारित (Based on birth) हो गया।

→ समाज (society) → पितृसत्तात्मक

अन्य तथ्य :- → other facts

→ मुण्डकोपनिषद का संबंध अथर्ववेद की शौनकीय शाखा से है।

→ यजुर्वेद में यजुः का अर्थ - बलि/बलिदान

→ प्रत्येक वस्तु का निर्माण → जल, पृथ्वी, अग्नि, वायु, आकाश से हुआ है।

→ पुरुषार्थ की संख्या ⇒ ४

धर्म

अर्थ

काम

मोक्ष

→ सोम देवता → पौधों के, वनस्पति के तथा औषधि के देवता है।

→ किन राजाओं के पास स्थायी या नियमित सेना, महल, राजधानी नहीं थी।।

↳ ऋग्वैदिक काल

→ संस्कृत भाषा भारतीय-यूरोप परिवार का हिस्सा (Part) है।

→ वैदिकाल में बढ़ई को क्या कहते थे ? ⇒ (Delhi Police constable)

↳ तक्षण।

→ गोमत - धनवान व्यक्ति

→ गण - सभा

→ भागदुघा - कर संग्रह कर्ता

→ क्षत्रिय → चेम्बरलेन

→ समागित्री ⇒ कोषाध्यक्ष

→ सन्निधाता → मुख्य कोषाधिकारी

→ समाहर्ता - राजस्व का मुख्य कलेक्टर जनरल
chief collector General of Revenue.

महाजनपदकाल

महाजनपद काल – 600 BC – 400 BC

Mahajanapada period - 600 ई०पू० - 400 ई०पू०

- कुल – ग्राम–विश–जन–जनपद – महाजनपद
  ~~Total~~ - Village-Vish-Jana-District – Mahajanapada
  family

- महाजनपद काल – 600 ईसा पूर्व – राज्य की परिभाषा
  Mahajanapada period - 600 BC - Definition of state

- महाजनपदो के बारे में कुछ ग्रंथो से जानकारी मिलती है।
  Information about Mahajanpado is available from some texts.

★ अंगुत्तर निकाय – बौद्ध धर्म – 16 महाजनपद

Anguttar Nikaya - Buddhism - 16 Mahajanapadas

Imp.

★ भगवती सूत्र – जैन धर्म – 16 महाजनपद

Bhagwati Sutra - Jainism - 16 Mahajanapadas

Imp.

★ अष्टाध्यायी – 22 महाजनपद

Ashtadhyayi - 22 Mahajanapadas

लेखक
writer = पाणिनी → Book

इस बात को नहीं माना गया।

16 महाजनपद – 14 (राजतंत्र)

Mahajanapada - 14 (Monarchy)

वैशाली

2 (गणतंत्र) – 1. वज्जि –दुनिया का सबसे पहला गणतंत्र

2 (Republic) - 1. Vajji - the world's first republic

2. मल्ल **Mall**

गणतंत्र

कुशीनगर

14

राजतंत्र (Monarchy)

राजा का बेटा (son of King) → Next King

अगला राजा

गणतंत्र (Republic)

राजा → का चुनाव

जनता द्वारा

महाजनपद **Mahajanapada**	राजधानी **Capital**
मगध **Magadha**	राजगृह / गिरिव्रज / पाटलिपुत्र **Rajgriha / Girivraj / Pataliputra**
अंग **Ang**	चम्पा (मालिनी नदी) **Champa (Malini River)**

Magadha → सबसे शक्तिशाली (Most Powerful)

Ang → सबसे पूर्वी (Eastern)

Note: मगध से पहले सबसे शक्तिशाली महाजनपद → काशी

→ मगध गंगा और सोन नदियों से घिरा हुआ था। गंगा के दक्षिणी भाग को मगध कहा जाता था।

कोशल (सरयू) — साकेत / श्रावस्ती

Kosala (Saryu) — **Saket / Shravasti**

अवन्ति — उज्जैन, महिष्मती

Avanti — **Ujjain, Mahishmati**

गांधार → तक्षशिला

Gandhara → **Taxila**

काशी → वाराणसी (राजा अवश्सेन के पुत्र 23वें तीर्थंकर)

Kashi → Varanasi (23rd Tirthankara, son of King Avassen)

→ पार्श्वनाथ → इनका जन्म वाराणसी में हुआ।

पांचाल (गंगा–2 भागों) → अहिच्छत्र, कापिल्य

Panchala (Ganga - 2 parts) → Ahichchhatra, Kapilya

वज्जि → वैशाली (आम्रपाली का सम्बंध)

Vajji → Vaishali (Affiliation of Amrapali)

→ दुनिया/विश्व का पहला गणतंत्र स्थापित किया गया था।

→ नगरवधू

कम्बोज — हाटक (राजापुर) – घोड़ों के लिए प्रसिद्ध

Kamboj — **Hatak (Rajapur) - Famous for horses**

अश्मक — प्रतिष्ठान (पैठन)

Ashmak — **Pritishthan (Paithan)**

मल्ल — कुशीनगर

mall — **kushinagar**

जहाँ गौतम बुद्ध की मृत्यु (महापरिनिर्वाण) हुई।

सूरसेन → मथुरा

sursen → mathura

मत्स्य → विराटनगर

Matsya → Viratnagar

कुरू → इन्द्रप्रस्थ (दिल्ली)

kuru → Indraprastha

वत्स —————— कोशाम्बी

vats **koshamb**

चेदी —————— शक्तिमती (कलिंग शासक खारवेल का सम्बंध)

Chedi **Shaktimati (Affiliation of Kalinga ruler Kharavela)**

Facts:-> मगध का सर्वप्रथम उल्लेख अथर्ववेद में मिलता है।

→ 16 में से 10 महाजनपद गंगा घाटी (valley) में थे।

→ 16 में से 8 महाजनपद U.P. (उत्तर प्रदेश) में थे।

→ 2 महाजनपद - गंधार और कंबोज भारत की सीमा (Border) से बाहर स्थित हैं।

→ महाजनपदों के शासक (Rulers of Mahajanpad) उपज का 1/6 भाग (1/6 Part of Production) कर (Tax) के रूप में लेते थे।

→ U.P. में स्थित 8 महाजनपद :-

1. कुरु
2. पांचाल
3. शूरसेन
4. वत्स
5. कौशल
6. मल्ल
7. काशी
8. चेदी / चेदी

नोट : दो महाजन ऐसे थे जो वर्तमान भारत की सीमा से बाहर है– कम्बोज, गंधार 16 महाजनपदों में से 8 महाजन पद उत्तर पद्रेश में पड़ते हैं।

16 महाजनपदों में सर्वाधिक शक्तिशाली मगध महाजनपद था।

सबसे पूर्वी महाजनपद अंग

Note: There were two Mahajans which are outside the border of present India- Kamboj, Gandhar 8 out of 16 Mahajanapadas fall in Uttar Pradesh.

Magadha Mahajanapada was the most powerful of the 16 Mahajanapadas.

Eastern Mahajanapada Anga

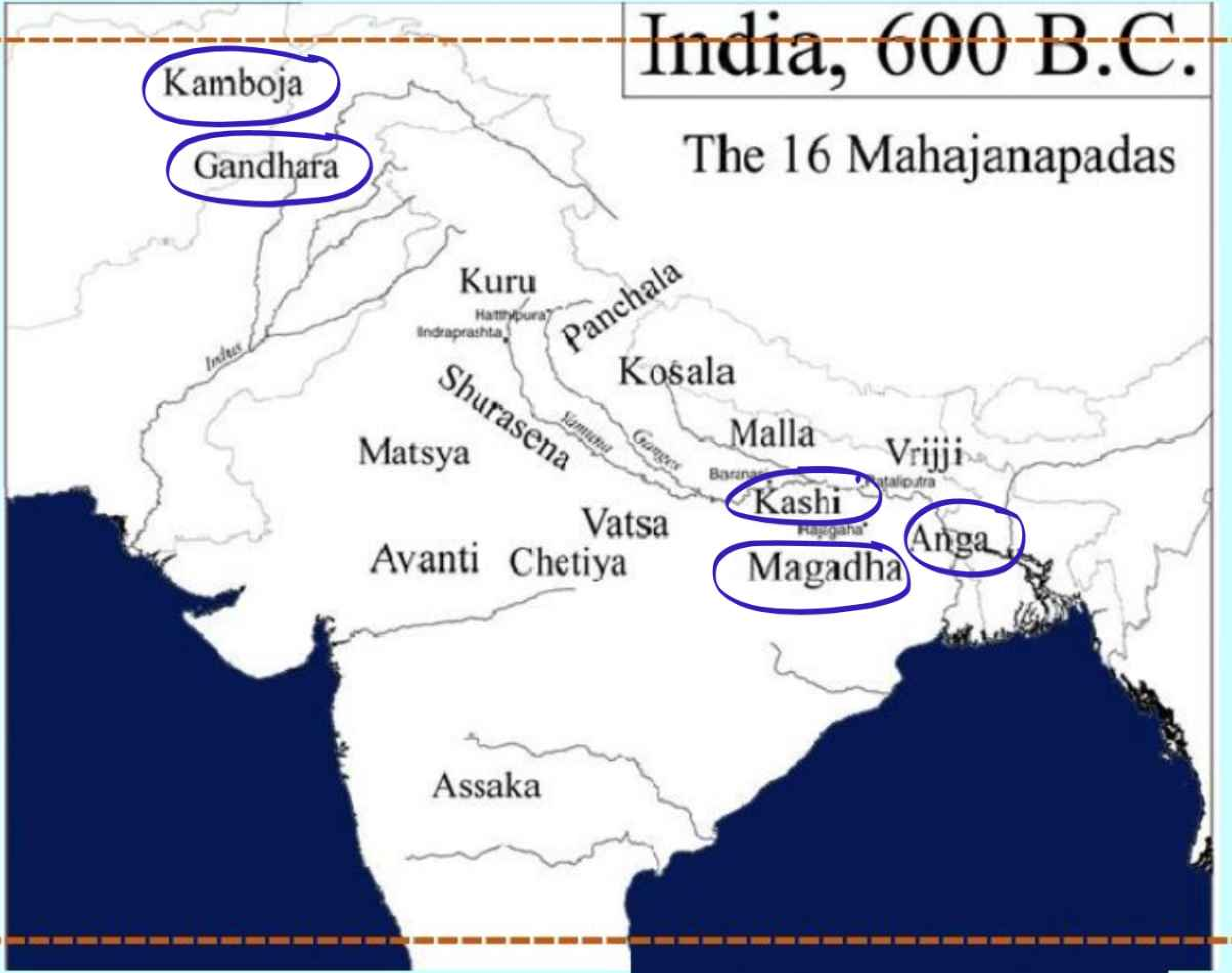
India, 600 B.C.
The 16 Mahajanapadas
Kamboja
Gandhara
Kuru
Panchala
Kosala
Shurasena
Matsya
Malla
Vrijji
Kashi
Vatsa
Anga
Avanti
Chetiya
Magadha
Assaka

Q. ⇒ सबसे पुराना पुराण ⇒ मत्स्य

Q. ⇒ सबसे शक्तिशाली महाजनपद ⇒ मगध

Q. ⇒ महाजनपद का समय ⇒ 600 BC - 400 BC

Q ⇒ कितने महाजनपदों में राजतंत्र था ? ⇒ 14

Q ⇒ दुनिया का पहला गणतंत्र कहां स्थापि ⇒ वाड्जि

Q ⇒ आम्रपाली का संबंध किससे था ? ⇒ वैशाली

Q ⇒ उत्तर वैदिक काल मुख्य देवता ⇒ प्रजापति

———— समाज ⇒ पितृसत्तात्मक

———— जाति व्यवस्था ⇒ जन्म आधारित

⇒ 16 महाजनपद थे इसकी जानकारी किन ग्रंथो से मिलती है ?
- अंगुत्तर निकाय
- भगवती सूत्र

→ मगध की राज० → राजगृह / गिरिव्रज / पाटलिपुत्र

⇒ अंग " " → चंपा

⇒ काशी " " → वाराणसी

⇒ कितने महाजनपद U.P. में है। → 8

⇒ " " गंगा घाटी → 10

बौद्ध धर्म Buddhism

- संस्थापक – गौतम बुद्ध
  Founder - Gautam Buddha
- अन्य नाम – तथागत, शाक्य मुनि, शाक्य सिंह, **The light of Asia.**
  Other names - Tathagata, Shakya Muni, Shakya Singh
- जन्म – 563 ईसा पूर्व – लुम्बिनी
  Born - 563 BC - Lumbini
- मृत्यु – 483 ईसा पूर्व – कुशीनगर
  Death - 483 BC - Kushinagar
- बचपन – सिद्धार्थ
  Childhood - Siddhartha

- पिता – शुद्धोधन (शाक्य गणराज्य)
- **Father- Shuddhodana (Shakya Republic)**
- माता – महामाया (माया देवी – कोलीय गणराज्य)
- **Mother - Mahamaya (Republic of maya devi - Koliya)**

(आम्रवन)–में सिद्धार्थ का जन्म हुआ।

Siddhartha was born in (Amravana)

- सिद्धार्थ के जन्म के 7वें दिन बाद इनकी माता का देहांत हो गया तब इनका पालन पोषण इनकी मौसी – प्रजापति गौतमी ने किया।
- **His mother died on the 7th day after the birth of Siddhartha, then he was brought up by his aunt - Prajapati Gautami.**

- पत्नी : यशोधरा (शादी 16 वर्ष की अवस्था में हुआ)
- **Wife: Yashodhara (married at the age of 16)**

  12 वर्ष बाद : पुत्र पैदा हुआ –राहुल

  After 12 years: son was born - Rahul

- 29 वर्ष की अवस्था में घर छोड़ (महाभिनिष्क्रमण) दिया

  Left home (Mahabhinishkran) at the age of 29

- 4 दृश्य जिनके कारण सिद्धार्थ संन्यासी बनने के तरफ बढ़ गए–

  4 scenes that led Siddhartha to become a sanyasi-

  1. बूढ़ा व्यक्ति **old man**
  2. बीमार व्यक्ति **sick person**
  3. मृत व्यक्ति की शय्या **Shadow of the dead person**
  4. संन्यासी **Saints**

- 35 वर्ष की अवस्था में ज्ञान प्राप्त (सम्बौद्धि) हुआ

Enlightened (Sambodhi) at the age of 35

- पीपल वृक्ष **peepal tree**
- उरूवेला, बोधगया, बिहार **Uruvela, Bodh Gaya, Bihar**
- निंरजना नदी **nirjana river**
- वैशाख पूर्णिमा **Vaishakh Purnima**

- पहला उपदेश – सारनाथ (ऋषिपत्तनम)

First Sermon - Sarnath (Rishipatnam)

धर्मचक्र प्रवर्तन – 5 ब्राह्मण

Turning the wheel of Dharma - 5 Brahmins

- कौडिन्य **Kaudinya**
- वप्पा **wappa**
- भोदिया **Bhodiya**
- मघनामा **maghnama**
- अस्ता **asta**

- वाराणसी में यज्ञश्रेष्ठी को ज्ञान दिया।

Gave knowledge to Yagyashreshthi in Varanasi.

- वाराणसी में ही बौद्ध भिक्षु संघ बनाया।

  The Buddhist monks' union was formed in Varanasi itself.
- वाराणसी के बाद वैशाली गए, और वहाँ बौद्ध भिक्षुणी संघ बनाया (आनंद के कहने पर)

  After Varanasi, went to Vaishali, and formed a Buddhist nunnery there (at the behest of Anand)
- इस संघ में सबसे पहले प्रजापति गौतमी फिर आम्रपाली जुड़ी।

  First Prajapati Gautami then Amrapali joined this union.
- सबसे अधिक उपदेश एवं सबसे अधिक अनुयायी – श्रावस्ती में थे।
- **Most preachers and most followers were in Shravasti.**
- इन्होंने अंतिम उपदेश – कुशीनगर में (सुभद्र को) दिया।

  He gave the last sermon - in Kushinagar (to Subhadra).

- सर्वाधिक उपदेश पालि भाषा में

  Most sermons in Pali language

- सर्वाधिक वर्षावास बिताए – श्रावस्ती में।

  Spent maximum rain - in Sravasti.

- अंतिम वर्षावास – कुशीनगर

  Last Varshawas - Kushinagar

शिक्षाएँ –Teachings → आर्य सत्य – 4

1. दुःख है **Grief**
2. दुःख का कारण है **cause of sorrow**
3. दुःख का निराकरण है **Sorrow is the solution**
4. दुःख का निवारण अष्टांगिक मार्ग से किया जाता है।
   Redressal of sorrow is done through the eightfold path.

आष्टांगिक मार्ग – 8 octagonal route

1. सम्यक दृष्टि (4 आर्य सत्य में विश्वास)
   Right View (belief in the 4 Noble Truths)
2. सम्यक संकल्प **Right Resolution**
3. सम्यक वाणी **Right Speech**
4. सम्यक कर्म **Right action**
5. सम्यक आजीविका **Right Livelihood**
6. सम्यक व्यायाम **Right Exercise**
7. सम्यक स्मृति **Right Memory**
8. सम्यक समाधि **Right Samadhi**

प्रतीक चिह्न : Symbol

- जन्म : कमल + सांड **Birth: Kamal + bull**
  - ↳ यौवन का प्रतीक
- गृह त्याग : घोड़ा **Home abandonment: horse**
- गर्भ : हाथी **womb: elephant**
- ज्ञान : पीपल **Knowledge: People**
- मृत्यु : पद चिह्न **Death: Footprint**
  - ↳ मोक्ष, निर्वाण
- बौद्ध धर्म में शील – 10 **Modesty in Buddhism – 10**

बौद्ध साहित्य Buddhist literature

- बौद्ध साहित्य को त्रिपिटक में बताया गया हैं

  Buddhist literature is mentioned in Tripitaka

1. विनय पिटक : उपालि शिष्य – बौद्ध संघ के नियम

   Rules of the Buddhist Sangha

   Vinaya Pitaka: Upali Disciple

2. सुत्त पिटक : आनंद शिष्य – गौतम बुद्ध के उपदेश

   Teachings of Gautam Buddha

   Sutta Pitaka: Ananda Disciple

3. अभिधम्म पिटक : मोगली शिष्य

   Abhidhamma Pitaka: Disciples of Mowgli

- सुत्त पिटक – गाय – (अन्नदा, वन्नदा, सुखदा)

  Sutta Pitaka - Cow - (Annada, Vannada, Sukhada)

  Encyclopedia of Bodhdha Dharma.

सुत्त पिटक 5 भागों में विभाजित है–

The Sutta Pitaka is divided into 5 parts-

1. खुंदक निकाय – (जातक कथाए – संख्या : 549) –बुद्ध के जन्म से पूर्व
   Khundak Nikaya - (Jataka tales - Number: 549) - before the birth of Buddha
2. अंगुत्तर निकाय – 16 महाजनपद
   Anguttar Nikaya - 16 Mahajanapadas
3. दीघ निकाय **Deegh body**
4. मंझिम निकाय **Manjhim body**
5. संयुक्त निकाय **sanykut body**

त्रिरत्न : बौद्ध, धम्म, संघ

Three Jewels: Buddhism, Dhamma, Sangha

बौद्ध → ज्ञान

धम्म → शिक्षा

बौद्ध संगीति Buddhist council

	स्थान place	शासनकाल reign	अध्यक्ष president
1. 483	राजगृह Rajgriha	अजातशत्रु Ajatashatru	महाकश्यप Mahakashyap
2. 383	वैशाली Vaishali	कालाशोक Kalashok	साबकमीर Sabakmir
3. 255	पाटलिपुत्र Pataliputra	अशोक Ashok	मोगली पुत्र Mowgli Putra

4. पहली शताब्दी कुण्डलवन कनिष्क वसुमित्र (उपाध्यक्ष–अश्वघोष)
1st century Kundalavan Kanishka Vasumitra (Vice-President - Asvaghosha)

5. 1871 माण्डले (म्यांमार) → राजा मिण्डन

चौथी बौद्ध संगीति : Fourth Buddhist Council:

- 1. **महायान** : वसुमित्र – बुद्ध को ईश्वर समझते हैं।
  Mahayana: Vasumitra - considers Buddha as God.
  → नए नियम बनाए **make new rules**
  चीन, जापान, कोरिया, भूटान, सिंगापुर
  China, Japan, Korea, Bhutan, Singapore

- 2 **हीनयान** : महाकश्यप
  Hinayana: Mahakashyapa
  - अष्टांगिक मार्ग **Eightfold Path** ✓
  - परिवर्तन **change** ×
  - बुद्ध को महापुरूष
    Buddha the legend
  - वैभाषिक **Vaibhashik**
  - सर्वास्विवादी **totalitarian**

कपिल मुनि

- महात्मा बुद्ध के गुरू – आलार कलाम (सांख्य दर्शन)
  Guru of Mahatma Buddha - Alar Kalam (Samkhya Philosophy)

  रूद्रक राम पुत्रम (योग दर्शन)
  Rudrak Rama Putram (Yoga Philosophy)

  बृहस्पति (वैदिक दर्शन)
  Jupiter (Vedic Philosophy)

बौद्ध मठ : Buddhist Monastery:

- लद्दाख – हेमिस, ठिकसे **Ladakh - Hemis, Thiksey**
- सिक्किम–रूमटेक, लिंगडम, **Sikkim - Rumtek, Lingdam,**
- हिमाचल प्रदेश – ताबो, शशूर, मैक्लोडगंज (धर्मशाला), की गोम्पा, नाको

Himachal Pradesh -Tabo, Shashur, McLeodganj (Dharamsala), key gompa, Nako

- अरूणाचल प्रदेश –तवांग मठ (सबसे बड़ा मठ)
  Arunachal Pradesh - Tawang Monastery (largest monastery)
- कर्नाटक – वेलकुप्पे मठ
  Karnataka - Velakuppe Monastery
- पश्चिम बंगाल –घूम
  West Bangal - Ghum

पुस्तकें : Books

फ्रांस

- बौद्ध चरित्र, सौदरानंद ब्रजसूची – अश्वघोष (भारत का वाल्टेयर/भारत के हेटे)

  Buddhist Character, Sondrananda Brajaschiti - Ashvaghosha (Voltaire of India/Hete of India)

  विभाषा शास्त्र – वसुमित्र

  Biology - Vasumitra

- पहली मानव प्रतिमा पूजी गयी – बुद्ध की (गांधार शैली)

  First human statue worshiped - Buddha (Gandhara style)

- बौद्ध शिक्षा केन्द्र – तक्षशिला, वल्लभी, विक्रमशिला, नालंदा विश्वविद्यालय

  Buddhist Education Center - Taxila, Vallabhi, Vikramshila, Nalanda University

- **बौद्ध मान्यताएँ** –

Buddhist beliefs -

- आत्मा **soul** ×
- कर्मकांड **ritual** ×
- वर्ण व्यवस्था **varna system** ×
- पुनर्जन्म **Rebirth** ✓
- मध्यम मार्ग **Madhyam Marg**

जैन धर्म JAIN DHARM

- 24 तीर्थकरो के बारे में ''कल्पसूत्र'' पुस्तक में लिखा हैः भद्रबाहू ने।
  It Is Written In The Book "Kalpasutra" About 24 Tirthankaras: Bhadrabahu.
- जैन धर्म सिन्धु घाटी सभ्यता के समकालीन था।
  Jainism Was Contemporary To The Indus Valley Civilization.

- **पहले तीर्थंकर** : ऋषभदेव (अंहिंसा + अपरिग्रह)

First Tirthankara: Rishabhdev (Ahimsa + Aparigraha)

- प्रतीक चिह्न : सांड **Symbol : Bull**
- उपनाम : केशरिया देव /आदिनाथ (ऋग्वेद में वर्णन मिलता है।) **Surname: Keshariya Dev / Adinath (Description is found in Rigveda.)**
- दो पुत्र **Two Sons**
  - भरत **Bharat**
  - महाबली/बाहुबली **Mahabali / Bahubali**
    - मूर्ति – श्रवणवेलगोला (कर्नाटक) **Statue - Shravanavelgola (Karnataka)**
      - चामुण्डाराय ने बनवाया **Chamundaraya built**

- दूसरे तीर्थंकर : अजीत नाथ (हाथी)
  Second Tirthankar: Ajit Nath (Elephant)
- तीसरे तीर्थंकर : सम्भव नाथ (घोड़ा)
  Third Tirthankar: Sambhav Nath (horse)
- 21वें तीर्थंकर : नमिनाथ (नीलकमल)
  21st Tirthankar: Naminath (Nilkamal)
- 22वें तीर्थंकर : अरिष्टीनेमि (नेमिनाथ) – (शंख)
  22nd Tirthankara: Arishtinebhi (Neminath) - (conch)

- **23वें तीर्थकर** : पार्श्वनाथ (निर्ग्रंथ) कहा गया। (साँप)

23rd Tirthankar: Called Parshvanath (Nirgratha). (Snake)

- **शिक्षाएँ दी (4) Teaches 4 :**

(1) सत्य **Truth**

(2) अहिंसा **Non-Violence**

(3) अस्तेय (चोरी न करना)

Asteya (Not To Steal)

(4) अपरिग्रह (धन न संचय करना)

Aparigraha (Non-Accumulation Of Wealth)

- **24 वें तीर्थंकर** : महावीर स्वामी (वास्तविक संस्थापक)
24th Tirthankara: Mahaveer Swami (The Real Founder)
  - 5वीं शिक्षा **Education** : ब्रह्मचर्य **Celibacy**
  - प्रतीक : शेर / सिंह **Sign : Lion / Lion**
  - जन्म : 540 BC = कुण्डग्राम (वैशाली)
  Birth : 540 BC = Kundagram (Vaishali)
  - मृत्यु : 468 BC = पावापुरी (दीपावली के दिन)
  Died: 468 BC = Pavapuri (Day of Deepawali)
  - पिता : सिद्धार्थ : ज्ञातृक वंश / इच्छवाकु वंश
  Father : Siddhartha :Gyaerak line / Ichchhavaku lineage

- माता : त्रिशला : लिच्छवी (चेटक की बहन)
Mother: Trishala: Lichchavi (Sister of Chetak)
- बचपन का नाम : वर्धमान **Childhood Name: Vardhman**
- पत्नी : यशोदा **Wife: Yashoda**
- पुत्री : अनोज्जा प्रियदर्शनी
Daughter: Anoja Priyadarshini

- दामाद : जमालि : (पहला उपदेश इन्हे ही मिला) = अर्द्धमागधी भाषा

  Son-In-Law: Jamali: (He Received The First Sermon) = Semi-Magadhi Language

- भाषा : बाद में "प्राकृत" **Language: later "Prakrit"**
- 30 वर्ष की अवस्था में अपने भाई नंदिवर्धन से अनुमति लेकर गृह त्याग किया।

  At The Age Of 30, After Taking Permission From His Brother Nandivardhan, He Renounced His Home.

- पहले 6 वर्ष अपने मित्र मक्खलि गोशाल के साथ रहें।

  Stay with your friend Makkhali Goshal for the first 6 years.

  → आजीवक सम्प्रदाय के प्रतिपादक

  the founder of the Ajivika sect

- 12 वर्ष तप किया **Did Penance For 12 Years**

पहला वर्ष **First Year** | अंतिम 11 वर्ष 6.5 माह **Last 11 Years 6.5 Months**

अशोक वृक्ष **Ashoka Tree** | साल वृक्ष **Sal Tree**

स्वर्ण बालूका नदी
Golden Sand River

ऋजुपालिका नदी
Rijupalika River

ज्ञान की प्राप्ति हुई। **Knowledge Gained.**

- (झिझिक/ज्राम्भिक ग्राम) में। **(Hesitating/Jrambhik Village).**
- ज्ञान प्राप्ति के बाद महावीर स्वामी केवलिन, जिन, निर्ग्रन्थ कहलाए। **After Attaining Knowledge, Mahavir Swami Was Called Kevalin, Jin, Nirgrantha.**

- पहला उपदेश : राजगृह (अर्द्धमागधीभाषा)
  First Sermon: Rajagriha (Semi-Magadhi language)
- केवलिन : आत्म व शरीर के बीच **Kevalin: Between Self And Body**
  जिन : खुद की इच्छाओं पर विजय **Jin: Victory Over One's Desires**
  निर्ग्रंथ : सांसारिक बंधन से मुक्त **Nirgranth: free from cognitive bondage**
- ज्ञान प्राप्ति = वैशाख दशमी **Gaining Knowledge = Vaishakh Dashami**
- जैन धर्म के त्रिरत्न :
  The Three Jewels of Jainism
  1. सम्यक दर्शन **Right Darshan**
  2. सम्यक ज्ञान **Right knowledge**
  3. सम्यक आचरण **Fair Conduct**

- जैन समितियां Jain committees/ conference
  1. 300 BC – पाटलिपुत्र – स्थूलभद्र
     300 Bc - Pataliputra - Sthulbhatra
  2. 512 AD – वल्लभी (Guj) – देवर्धि क्षमाश्रवण (अध्यक्ष)
     512 Bc - Vallabhi (Guj) - Devardhi Apology

- जैन धर्म में कषाय : Kashaya in Jainism:
  - क्रोध Anger
  - माया Spell
  - मान Value

- जैन साहित्य को "आगम" कहा जाता है–

Jain Literature Is Called "Agam"-

  - पूर्व **East**
  - उपांग **appendage**
  - छेदसूत्र **hole thread**

  आगम की संख्या – 12

  उपांग – 12

  छंद सूत्र – 6

जैन धर्म की शाखाएं–

Branches of Jainism

श्वेताम्बर	दिगम्बर
Svetambara	Digambara
(स्थूलभद्र)	(भद्रबाहु)
(Sthulabhadra)	(Bhadrabahu)
सफेद वस्त्र	नग्न
White Clothes	Naked
उत्तर भारत में ही रहे	जो द० भारत चले गए
Only In North India	Went To south India

- दक्षिण भारत में श्वेताम्बर शाखा का प्रचार किया

Promoted Svetambara branch in South India

↓

सुहस्तिन **Suhastin**

- **जैन संघ** **Jain Sangha:** में 11 गणधर थे।

  There were 11 Ganadhars.

  - महावीर स्वामी की मृत्यु के समय अध्यक्ष – इन्द्रभूति
    Chairman at the time of death of Mahavir Swami - Indrabhuti
  - अगले अध्यक्ष : ''सुधर्मन'' **Next President: "Sudharman"**
  - जैन भिक्षुणी संघ की अध्यक्ष : ''चंदना''
    President Of Jain Nhikuni Sangh: "Chandana"

• जैन सिद्धांत **Jain Doctrine :–** (ज्ञान मीमांसा **Epistemology**)

(अनेकांतवाद)	(स्यायवाद)
(Anekantavad)	**(Sayavada)**
प्रत्येक जीव/वस्तु के अनेक गुण होते है।	अनेक गुणो को केवलिन ही जान सकते है।
Every living being/thing has many qualities.	**Only Kevalin can know many qualities.**

(नास्तिक)	(आस्तिक)
(Atheist)	**(Atheist)**
जो वेदो को अप्रमाणिक मानते है।	जो वेदो को प्रमाणिक माने।
Those who consider Vedas to be unauthentic.	**Those who consider Vedas as authentic.**
"आजीवक सम्प्रदाय" **"Ajivik Sect"**	

षडदर्शन Conspiracy:–

1. गौतम : न्याय दर्शन **Gautama: Philosophy of Justice**
2. कपिल : सांख्य दर्शन **Kapil: Samkhya Philosophy**
3. कणाद : वैशेषिक **Kanad: Vaisheshika**
4. पतंजलि : योग **Patanjali: Yoga**
5. जैमिनी : पूर्व मीमांसा **Gemini: Purva Mimamsa**
6. वादरायण : उत्तर मीमांसा **Vadarayana: Uttar Mimamsa**

बौद्ध धर्म Buddhism

हर्ष – हर्षवर्धन Harsh - Harshavardhana

K – कनिष्क Kanishka

B – बिम्बिसार Bimbisara

A – अशोक Ashoka

P – प्रसेनजीत Prasenjit

U – उदयन Udayan

G – गोपाल (पाल वंश) Gopal (Pala dynasty)

जैन धर्म Jainism

K – खारवेल Kharavel

A – अजातशत्रु Ajatshatru

A – अमोघवर्ष Amodhavarsha

C – चन्द्रगुप्त मौर्य Chandragupta Maurya

U – उदयन Udayan

S – सम्प्रीति Sampreeti